फरीदाबाद
मजदूर समाचार
अनुभवों तथा विचारों के आदान-प्रदान के जरियों में एक जरिया

'मजदूर समाचार' की कुछ सामग्री अंग्रेजी में इन्टरनेट पर है। देखें–
< http://faridabad majdoorsamachar.blogspot.in >

डाक पता : मजदूर लाईब्रेरी, आटोपिन झुग्गी, एन.आई.टी. फरीदाबाद – 121001

नई सीरीज नम्बर **351** 1/- *सितम्बर* **2017**

अशांत , उपजाऊ गैप

बना दो फिल्म।

सीरियस ? किसके ऊपर ?

मेरे ऊपर ।

क्यों ?

विश्वास नहीं हो रहा क्या कि मैं अपने को फिल्म की नायिका लायक समझती हूँ !

नहीं। बात वो नहीं है। बात यह है कि तू नायक के खिलाफ सोचती है। और अब बोल रही है कि तुझे मैं नायिका की कल्पना में क्यों नहीं सोच सकता।

नायक ना हो कर फिल्म में कैसे उतरें ? यह जटिल प्रोब्लम लग रहा है। अगर नायक नहीं हो तो आपसे कोई आपकी अपनी सोच के शब्द नहीं बुलवायेंगे। और अगर हो तो ऐसे शब्द बुलवाये जायेंगे जो जीवन के विपरीत हैं।

तो खलनायक बन जाओ।

खलनायक को शब्द मिलते हैं जरूर। लेकिन वो शब्द अन्दर के घाव से सपोर्ट लेते हैं। कुछ सोच ऐसे चलती है जैसे कि कोई गहरी वेदना दूर बचपन की , इन्धन दे कर उसे चला रही है।

ये घाव , वेदना , बचपन की चोट तो आम हैं। इनकी चर्चायें काफी व्यापक हैं। और काफी प्रभाव भी लिये हुये हैं।

नायिका इस प्रभाव को अगर ले और खुद नायिका बनने से इनकार करे तथा किसी को भी नायक बनाने से भी इनकार करे तो ?

यहाँ एक फिल्म है जो फिल्म बनने से इनकार करती है।

वाह ! बहुत खूब ! कुछ हमारे जैसे ही है। आप कामगार बनते हो और कामगार बनना नहीं चाहते। और यह अन्तरविरोध निरन्तर है।

तो आप क्या कह रहे हो ? क्या यह कि ढलाई हर वक्त अधूरी है और नया उस अधूरेपन में से ही निकलता है ? और शायद आपका इशारा इस ओर है कि यह अधूरापन रूबरू है खुलेपन से जो बहुआयामी है।

तुझे सुन कर मैं अपनी सोच के साथ ज्यादा खुलेपन से दौड़ पा रही हूँ। जो स्वीकार और इनकार के बीच गैप है वह बहुत अशांत है। मुझे लगता है कि कुछ जनन का , प्रसव का विस्तार लिये है। गैप खाली नहीं होता।

मजा आ गया ! सब के लिये चाय मेरी तरफ से। और मेरा सवाल। इस उपजाऊ गैप का अहसास तीक्ष्णता से , तीव्रता से कब होता है ? मैं यह साफ कर दूँ कि मुझे अहसास है कि दैनिक उतार-चढाव में धीमे ढँग से इस गैप की ताप हमें जीवन्त रखती है। मेरा सवाल है कि वो कौन से क्षण हैं जब तीव्रता उभरती है और एक-दूसरे की ताप हमें सींचती है, जुनूनी प्रेरणा देती है ?

आप कुछ विचित्र इन्सान हैं। हर वक्त अपने सवाल में ही नया अर्थ रच लेते हैं। संगति। संगति कैसे बनती है ? यह सवाल है। एक पहेली भी है और एक प्रभाव भी है कि हर रोज हम एक-दूसरे की खोज में रहते हैं।

ठोस तरीके से यह महसूस करते हैं हम। एक डिपार्ट में कुछ होता है , बिना शब्द दूसरी डिपार्ट में पहुँचता है , फैलता रहता है। कभी , अब कुछ ज्यादा , यह फैलना तूफान बन जाता है। तूफान की तीव्रता घटती-बढती रहती है।

इन तूफानों में कोई नायक नहीं दिखते। ज्यादा शब्द भी नहीं बोले जाते। असर बहुत लिये होते हैं।

फिल्म कैसे बनाओगे आप ! शब्द कम। एक्शन कब आरम्भ हुआ , कब दिखा , कब चढाव लिया , कब उतार पर आया , यह सब चित्रण के बाहर है। घटना नहीं है। पारदर्शी नहीं है।

हीरो नहीं है। हीरोइन नहीं है।

लेकिन गाने खूब हैं।

काउन्टर अटैक बहुत हैं।

और कोर्ट-कचहरी भी बहुत हैं।

शायद फिल्म बन सकती है जब आपको उस काउन्टर अटैक से त्रस्त दिखाया जाये और कोई अन्य नायक आ कर आपका त्रस्त होना आपको ही समझाये।

हम जैसे ही गैप की ऊर्जा ले कर सामाजिक नियम-संग्रह की दहलीज को तोड़ते हैं तो हम पर कुछ टूट पड़ता है। दण्ड। सदाचार पर भाषण। और , शब्दकोष के विद्रोह , बगावत, बागी जैसे शब्दों को तड़ीपार करने के लिये यज्ञ किये जाते हैं।

कई बातें कईयों में बातचीतों में

अकेले-दुकेले में भी , रोने-धोने में भी बातें जारी रहने पर कई तरह की चर्चा और कई जगह के उदाहरण बातों में आते हैं। व्यापकता प्रत्येक में है। एकमेव और एकमय के इस दौर में , in this era of unique and together , सात अरब मनुष्य तो प्रस्थान-बिन्दू हैं। पृथ्वी पर और अन्तरिक्ष में जीव तथा निर्जीव के तौर पर परिभाषित सब एक-दूसरे से घनिष्ठता से जुड़े हैं। प्रत्येक का अस्तित्व दाव पर लग जाना एक बात है। अधिक महत्वपूर्ण है होने का अर्थ और उत्सव , जीवन में आनन्द।

कईयों के बातचीत में शामिल होने पर जो होने का , एक व अनेक होने का अर्थ और खुशी , प्रसन्नता , आनन्द तथा जानकारियाँ एवं प्रेरणायें मिलती हैं उन्हें हम यहाँ प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहे हैं।

✶ कहाँ काम करते हैं ? फैक्ट्री तो चेन्ज होती रहती है....... ***सरवेल*** (एस-15 ओखला फेज-2, दिल्ली) फैक्ट्री में बोनस नहीं देने के खिलाफ मजदूरों ने श्रम विभाग में शिकायत की। तारीख पर कम्पनी बोली कि बोनस दे दिया है। सबूत के लिये तारीख। फैक्ट्री में वरकरों से मैनेजमेन्ट बोली कि पैसे दे देंगे , यह लिख कर दो कि बोनस दे दिया है , गलती से शिकायत कर दी। मजदूरों ने मना कर दिया। अगस्त-अन्त में तारीख पर श्रम विभाग में बोनस दिया। अब नये ग्रेड के लिये कदम उठायेंगे........ ***प्रोन्क मल्टी सर्विस*** (बी-90 ओखला फेज-2) में जुलाई से नया ग्रेड लागू...... ***इंडियन टू मशीन*** (बी-263, 264, 295 डी डी ए शेड्स ओखला फेज-1) फैक्ट्री में 15-20 वर्ष से काम कर रहे 7 मजदूरों को नया ग्रेड पर 5 साल से काम कर रहों को नहीं...... ***ओरियन्ट क्राफ्ट*** (ई-45/10 ओखला फेज-2) फैक्ट्री में सैम्पलिंग और ऑफिस रहेगी, प्रोडक्शन नोएडा ले जाने लगे हैं। नया ग्रेड जुलाई से........ ***ह्युन्डई शोरूम-वर्कशॉप*** (ए-30 मोहन एस्टेट) में 200 वरकरों को 3 मार्च से एरियर समेत नया ग्रेड........ ***एलपैन फैशन*** (एस-99 ओखला फेज-2) फैक्ट्री में यूनियन वाले आते हैं, लेबर डिपार्ट वाले आते हैं, चायपानी करते हैं। मैनेजमेन्ट कहती है कि 11 सितम्बर की तारीख पर फैसला होगा तो एरियर के साथ देंगे......... ***दत्ता प्रेस*** (बी-9/3 ओखला फेज-2) कम्पनी कह रही है कि नये ग्रेड का सरक्युलर नहीं आया है....... ***गैलेक्सी टोयोटा शोरूम-वर्कशॉप*** (बी-23 ओखला फेज-1) में कह रहे हैं कि 31 अगस्त तक कोर्ट से स्टे है........ ***मैकेनिकल क्वाक्स*** (वाई-21 ओखला फेज-2) फैक्ट्री में ओवर टाइम के पैसे मिला कर तनखा नये ग्रेड अनुसार बैंक में दिखाते हैं....... ***फैब इंडिया*** (सी-40, 42 ओखला फेज-2) में पैकिंग करते 160 टीमलीज वरकरों को 5 साल पूरे होने से पहले निकाल देते है ताकि वरकर की ग्रेच्युटी नहीं बने। नया ग्रेड अगले महीने , अगले महीने...... ***सोनू एग्जिम*** (बी-5/3 ओखला फेज-2) फैक्ट्री में कम्पनी अधिकारी फण्ड के पैसे निकलवाने के लिये रिश्वत लेते हैं। और , ओवर टाइम के पैसे जोड़ कर तनखा नये ग्रेड अनुसार दिखाते हैं....... ***वीयरवेल*** (बी-134 ओखला फेज-1) फैक्ट्री वरकरों ने 31 अगस्त को सॉय साढे पाँच बजे आधे घण्टे के ब्रेक में नया ग्रेड लेने के लिये कदमों पर चर्चा की.......

✶ ***एस आई एस सेक्युरिटी*** द्वारा आई एम टी मानेसर में सप्लाई किये 1000 से ज्यादा गार्डों को (मारुति और होण्डा फैक्ट्री छोड़ कर) 12-12 घण्टे रोज और महीने के 30 दिन ड्युटी पर 13-14000 रुपये। यह वास्तव में ढाई महीने की तनखा हुई , यानी गार्ड की तनखा 6000 भी नहीं. ..... ***फ्रैन्ड कलर इमेज*** (148 सैक्टर-4 आई एम टी मानेसर) कूरियर कम्पनी में 250 वरकर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में। ओवर टाइम 10 रुपये प्रति घण्टा और तनखा 6500 रुपये। इन वरकरों ने 8 जुलाई को काम बन्द किया , 9 को भी बन्द रखा , 10 जुलाई को श्रम विभाग से आये ने 500 रुपये बढाने का समझौता करवाया....... ***नपीनो ऑटो*** (7 सैक्टर-3 , आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में 200 टेम्परेरी वरकरों की 12 घण्टे की ड्युटी और ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। लाइन नम्बर 6 , फोरव्हीलर हारनेस पर 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं और सुपरवाइजर बदतमीजी करता है। कैन्टीन में जुलाई तक 5 रुपये की दो मट्ठी थी , अगस्त में वे 10 रुपये की कर दी और तनखा दो वर्ष से नहीं बढाई है...... ***अल्का मिस्ट टेक्नोलॉजी*** (194 सैक्टर-4 आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में गार्डों ने दबाव डाल कर जून की तनखा ले ली है पर जुलाई की पहली सितम्बर तक नहीं दी थी। अन्य वरकरों को जून और जुलाई का वेतन सितम्बर आरम्भ तक नहीं..... ***पी सी जैन टैक्स*** (31 सैक्टर-6, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में 250 वरकर 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट में , ओवर टाइम सिंगल रेट से भी कम , 32-33 रुपये प्रति घण्टा..... ***जे एन एस*** (4 सैक्टर-3 आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में दो वर्ष नौकरी करके सुमन ने मार्च 2016 में नौकरी छोड़ी। दो साल हो गये, पी एफ के पैसे निकालने का फार्म नहीं भर रहे। टाल देते हैं। अगले महीने, अगले महीने करते रहते हैं। जे एन एस का दूसरा वरकर : फण्ड निकालने के लिये पहले रिश्वत दो , तब फार्म भरते हैं....... ***सेक्युरटास सेक्युरिटी*** ने आई एम टी मानेसर में कम्पनियों को 150 गार्ड सप्लाई किये हैं। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की और साप्ताहिक अवकाश नहीं। प्रतिदिन 12 घण्टे पर 30-31 दिन के 13,000 रुपये , ई एस आई तथा पी एफ काट कर। एक गार्ड को मई में 21 दिन ड्युटी के लिये 3000 रुपये दे कर बोलते रहते हैं कि कल देंगे। जुलाई की पेमेन्ट का चेक गार्डों को पहली सितम्बर तक नहीं दिया था....... ***सिग्मा ऑटोमोटिव्ज*** (16 सैक्टर-3 , आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में कम्पनी घाटे में चल रही है कह कर जुलाई में किये ओवर टाइम में से हर वरकर के 8 घण्टे काट लिये और बाकी पैसे भी पहली सितम्बर तक बैंक में नहीं भेजे थे। क्वालिटी में 12 घण्टे की एक शिफ्ट और सी एन सी विभाग में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट , ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से......

✶ ***गंगा ओवरसीज*** (647-48 उद्योग विहार फेज-4, गुड़गाँव) फैक्ट्री में महीने में 100 घण्टे से ज्यादा ओवर टाइम , भुगतान सिंगल रेट से...... ***कैलाश रिबन*** (403 उद्योग विहार फेज-3) फैक्ट्री में पैकिंग में 12 घण्टे की एक शिफ्ट है और बाकी विभागों में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट। दो घण्टे को ही कम्पनी 12 घण्टे में ओवर टाइम कहती है और उसका भी भुगतान सिंगल रेट से भी कम , 25-26 रुपये प्रति घण्टा..... ***सरगम एक्सपोर्ट*** (152 उद्योग विहार फेज-1) फैक्ट्री में तनखा से पी एफ राशि काटते हैं। छोड़ने के बाद 9 महीने से फण्ड निकालने का फार्म मैनेजमेन्ट नहीं भर रही.....***पर्ल ग्लोबल*** (274 उद्योग विहार फेज-2) फैक्ट्री में रोज सुबह 9 से रात 10 बजे तक ड्युटी। ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर से है पर मास्टर , फ्लोर इन्चार्ज, मैनेजर गाली देते हैं...... ***स्पार्क एक्सपोर्ट*** (166 उद्योग विहार फेज-1) फैक्ट्री में चेक पर 7 तारीख डालते हैं पर चेक देते 20-22 तारीख को हैं। सुबह सवा नो से रात 10 , रात 1 बजे तक काम, ओवर टाइम सिंगल रेट से। चेक में तनखा और ओवर टाइम मिला कर तनखा ज्यादा दिखाते हैं। निकालने पर , छोड़ने पर फण्ड के पैसे मुश्किल — कम्पनी फार्म भर देती है पर हस्ताक्षर नहीं मिलते कह कर फण्ड वाले फार्म वापस भेज देते हैं.......

✶ सोलर एनर्जी कम्पनी, ***रितिका सिस्टम*** (सी-25 सैक्टर-65, नोएडा) फैक्ट्री में वरकरों के साथ प्रोडक्शन मैनेजर बहुत दुर्व्यवहार करता है। इस पर इधर 2 जुलाई को एक सफाईकर्मी ने प्रोडक्शन मैनेजर की पिटाई की.......

कुछ इमेल पते

श्रम आयुक्त, हरियाणा < labour@hry.nic.in>
श्रम विभाग दिल्ली < labjlc2.delhi@nic.in >
ई एस आई महानिदेशक < dir-gen@esic.nic.in >
केन्द्रीय भविष्यनिधि आयुक्त < cpfc@epfindia.gov.in >
चीफ विजिलैन्स पी एफ < cvo@epfindia.gov.in >

बोनस

बात लेने की है

— पहली अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2017 के दौरान किसी फैक्ट्री में 30 दिन काम किया है तो कानून अनुसार बोनस बनता है। एक फैक्ट्री में 3 महीने , दूसरी फैक्ट्री में 4 महीने , तीसरी फैक्ट्री में 5 महीने काम किया है तो तीनों फैक्ट्रियों में वरकर का बोनस बनता है।

— मजदूर परमानेन्ट हों , चाहे कम्पनी रोल पर कैजुअल हों ,चाहे ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे गये हों : सब मजदूरों का कानून अनुसार बोनस बनता है।

— कम्पनी घाटा दिखा रही है वहाँ एक महीने की तनखा के बराबर बोनस कानून अनुसार बनता है। कम्पनी मुनाफा दिखा रही है वहाँ बीस प्रतीश तक बोनस , ढाई महीने की तनखा बराबर बोनस कानून अनुसार बनता है। बीस प्रतीशत से अधिक बोनस मजूदर दबाव डाल कर लेते रहे हैं और कम्पनियाँ कागजों में अतिरिक्त राशि को एक्सग्रेशिया दिखाती रही हैं।

✶ ***इन्टरफेस माइक्रोसिस्टम्स*** फैक्ट्री (340-41-42 उद्योग विहार फेज-2, गुड़गाँव) में टाटा, महिन्द्रा , फोर्ड , मारुति सुजुकी आदि वाहनों के इलेक्ट्रोनिक्स के पार्ट्स बनते हैं। करीब 200 परमानेन्ट मजदूरों को ही कम्पनी वार्षिक बोनस देती है। वर्षों से काम कर रहे 500 स्त्री-पुरुष टेम्परेरी वरकरों को इन्टरफेस कम्पनी बोनस नहीं देती।

✶ ***अर्जुन ऑटो*** फैक्ट्री (235 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव) में सिर्फ 15 परमानेन्ट मजदूरों को बोनस देते हैं। दो ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे और वर्षों से काम कर रहे 200 वरकरों को बोनस नहीं देते।

फरीदाबाद में ओरियन्ट पँखे बनाती फैक्ट्री में थोड़े-से परमानेन्ट मजदूर , कम्पनी द्वारा स्वयं रखे जाते कुछ कैजुअल वरकर , और ठेकेदार कम्पनियों के जरिये अधिकतर मजदूर रखे जाते हैं। ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे वरकरों को बोनस नहीं देते थे। दो वर्ष पहले दिन की शिफ्ट में लन्च अवकाश में ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे 300 मजदूर फैक्ट्री के अन्दर ग्राउण्ड में बैठ गये। लन्च समय की समाप्ति के बाद भी बैठे रहे। सुपरवाइजर आये। मजदूर बैठे रहे। प्रोडक्शन मैनेजर आया। मजदूर बैठे रहे। जनरल मैनेजर आया। मजदूर बैठे रहे। बड़ा साहब, '' दस वर्ष से बोनस क्यों नहीं माँगा ?'' वरकरों का समवेत स्वर , '' अब तो माँग रहे हैं ! '' बोनस देने की घोषणा के बाद मजदूर ग्राउण्ड से उठे और तब तक पँखे बनाने की लाइनें बन्द रही थी। ओरियन्ट फैन फैक्ट्री में ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे मजदूर ओवर टाइम के पैसे भी दुगुनी दर से लेते हैं। सेक्युरिटी कम्पनियाँ गार्डों को ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से देती थी पर वर्ष-भर से ओरियन्ट फैन फैक्ट्री पर गार्ड ओवर टाइम के पैसे दुगुनी दर से लेने लगे हैं।

बात लेने की होती है।

अनुभव: MESL और बोनी पोलीमर

24 अप्रैल से फैक्ट्री से बाहर किये गुड़गाँव एन एच 8 स्थित ***मार्क एग्जास्ट सिस्टम्स लिमिटेड*** के 500 टेम्परेरी वरकरों को नेताओं, यूनियनों, श्रम विभाग और प्रशासन ने खूब थका दिया है।

बोनी पोलीमर्स (132 सैक्टर-24, फरीदाबाद) फैक्ट्री से बाहर किये मजदूरों को चार महीने से लीडर, यूनियन, श्रम विभाग थकाने में लगे हैं। तीन महीने की जगह अब चार महीने से तारीखें पड़ रही हैं। और , कुछ का भोलापन देखिये : चेयरमैन-एम डी ने सैक्टर-24 फैक्ट्री मैनेजमेन्ट को कह दिया है कि 11 करोड़ रुपये में से चाहे 7 करोड़ खर्च करने पड़ें, यूनियन नहीं बनने देना..... जबकि बोनी पोलीमर की सैक्टर-6 फैक्ट्री में वही यूनियन है और मैनेजमेन्ट-यूनियन गठजोड़ से मजदूर परेशान हैं। सैक्टर-6 बोनी फैक्ट्री के एक मजदूर का कहना था कि नेताओं के चक्कर में सैक्टर-24 फैक्ट्री वाले वरकर बेकार में बाहर हो गये हैं।

साझेदारी

✶ मजदूर समाचार की 15-16-17 हजार प्रतियाँ छापते हैं। आई एम टी मानेसर, उद्योग विहार गुड़गाँव, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फरीदाबाद में मजदूर समाचार का वितरण हर महीने होता है। दिल्ली के इर्द-गिर्द के औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूर समाचार की बीस हजार प्रतियाँ प्रतिमाह आवश्यक लगती हैं। बाँटने में अधिक लोगों की साझेदारी के बिना यह नहीं हो सकेगा। सहकर्मियों-पड़ोसियों-मित्रों-साथियों को देने के लिये 10-20-50 प्रतियाँ हर महीने लीजिये और मजदूर समाचार के वितरण में साझेदार बनिये।

✶ मजदूर समाचार के वितरण के दौरान फुरसत से बातचीत मुश्किल रहती है। इसलिये मिलने-बातचीत के लिये पहले ही सूचना देने का सिलसिला आरम्भ किया है। चाहें तो अपनी बातें लिख कर ला सकते हैं, चाहें तो समय निकाल कर बात कर सकते हैं, चाहें तो दोनों कर सकते हैं।

— वीरवार, 28 सितम्बर को सुबह 6 बजे से 9½ तक आई एम टी मानेसर में सैक्टर-3 में बिजली सब-स्टेशन के पास मिलेंगे। खोह गाँव की तरफ से आई एम टी में प्रवेश करते ही यह स्थान है। जे एन एस फैक्ट्री पर कट वाला रोड़ वहाँ गया है।

— उद्योग विहार, गुड़गाँव में फेज -1 में पीर बाबा रोड़ पर वोडाफोन बिल्डिंग के पास बुधवार, 27 सितम्बर को सुबह 7 से 10 बजे तक बातचीत के लिये रहेंगे। यह जगह पेड़ के नीचे चाय की दुकान के सामने है।

— शुक्रवार, 29 सितम्बर को सुबह 7 से 10 बजे तक चर्चा के लिये ओखला-सरिता विहार रेलवे क्रॉसिंग (साइडिंग) पर उपलब्ध रहेंगे।

✶ फरीदाबाद में सितम्बर में हर रविवार को मिलेंगे। सुबह 10 से देर साँय तक अपनी सुविधा अनुसार आप आ सकते हैं। फरीदाबाद में बाटा चौक से थर्मल पावर हाउस होते हुए रास्ता है। ऑटोपिन झुग्गियाँ पाँच-सात मिनट की पैदल दूरी पर हैं।

फोन नम्बर : 0129-6567014

व्हाट्सएप के लिये नम्बर : 9643246782

ई-मेल < majdoorsamachartalmel@gmail.com >

कदम—कदम पर मृत्यु

✶ ***साँई स्टील कटर*** फैक्ट्री (20-30 संजय मेमोरियल इन्डस्ट्रीयल एस्टेट , सैक्टर-5 , फरीदाबाद) में सुबह 9 बजे काम पर लगा एक मजदूर साँय 7 बजे क्रेन से माल हटा रहा था कि पट्टा टूट गया। एक से दूसरे अस्पताल ले जाते समय रात साढे आठ बजे घायल मजदूर की मृत्यु। एक्सीडेन्ट होते ही फैक्ट्री में काम कर रहे 100 वरकरों ने काम बन्द कर दिया। कम्पनी ने मृत मजदूर के परिवार को दो लाख रुपये देने की बात की। मजदूरों ने अगले दिन और फिर उसके अगले दिन भी फैक्ट्री में काम बन्द रखा। कम्पनी द्वारा मृत वरकर के परिवार को पाँच लाख रुपये का चेक और मैनेजर द्वारा 50 हजार तथा एच आर द्वारा 70 हजार रुपये नकद देने के बाद साँई स्टील कटर मजदूरों ने काम आरम्भ किया।

✶ ***एस वी (बजाज) प्रिसीजन कम्पोनेन्ट्स*** फैक्ट्री (22 सैक्टर-3, आई एम टी मानसेर) में 500 मजदूर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में। साँय 7 बजे से होलिंग मशीन पर काम कर रहे वरकर की मशीन से रात 3 बजे पीस उछला। मजदूर की हथेली में और कोहनी तक पीस ने तीन सुराख कर दिये। ई एस आई अस्पताल में रक्त बन्द नहीं हुआ , दूसरे अस्पताल ले गये। रात 3 बजे सब वरकरों ने काम बन्द कर दिया और सुबह 7 बजे तक बन्द रखा। दूसरी शिफ्ट वाले सुबह 7 अन्दर आये और उन मजदूरों ने भी काम बन्द रखा। एच आर वालों ने सही उपचार करवा रहे हैं कह कर 10 बजे काम आरम्भ करवाया।

✶ ***गुलाटी फैब्रीकेशन*** फैक्ट्री (सैक्टर-24, फरीदाबाद) में 2 सितम्बर को सुबह बिजली का करन्ट लगने से 38 वर्षीय फिटर राकेश की मृत्यु हो गई। ✶ ***सुपरफाइन*** फैक्ट्री (117-118 सैक्टर-5, आई एम टी मानेसर) में 6 सितम्बर को एक मजदूर की मृत्यु हो गई और दूसरे का पैर टूट गया।

सूरजपुर , नोएडा

(दो साथी पहली बार नोएडा गये। बहुत उत्साहित लौटे। मजदूर समाचार के अगस्त अंक की 600 प्रतियाँ बहुत कम पड़ गई।)

संयोग से हम सुबह 8 बज कर 10 मिनट पर सूरजपुर गाँव के चौराहे पर पहुँच गये। एक तरफ से वरकरों का गाँव से आवागमन चल रहा था, दूसरी तरफ प्रियागोल्ड फैक्ट्री खड़ी थी। थोड़ी दूरी पर एल जी , मोसर बेयर आदि कम्पनियों की फैक्ट्रियाँ थी। फेज-2 का रास्ता वहीं से कटके है। ऑटो , बसों में मजदूर बैठ रहे थे। वहीं से फेज-5, कासन, आदि-आदि स्थानों पर फैक्ट्रियों के वरकर जा रहे थे।

29 जून की रात वाले विद्रोह का जिक्र करने पर ***प्रियागोल्ड*** बिस्कुट फैक्ट्री के वरकर बोले कि फैक्ट्री में दँगे होते रहते हैं और 29 वाला तो एक उदाहरण ही है। तभी मजदूर समाचार लेते हुये ***एल जी*** फैक्ट्री में काम करता एक हैल्पर बोला कि तनखा 7400 रुपये है , फैक्ट्री में काम करते तीन-चार हजार मजदूरों में अधिकतर वरकर टेम्परेरी हैं , करीब 900 ही परमानेन्ट मजदूर हैं...... कई अन्य की तरह काम भी कर रहा हूँ और पढ भी रहा हूँ कहते हुये एक वरकर बोला कि ***पेप्सी*** कम्पनी में 100 मजदूर हैं , तनखा 8000-10,500 रुपये. ...... कुछ अप्रेन्टिस बोलने लगे : आई टी आई करके आये अप्रेन्टिसों को प्रशिक्षण के लिये सरकार एक साल भत्ता देती है पर मैनेजमेन्टें हैं कि ट्रेनिंग की बजाय फैक्ट्रियों में अप्रेन्टिसों को कुछ पैसे अतिरिक्त दे कर प्रोडक्शन में लगा देती हैं ; ***सैमसंग*** में अप्रेन्टिस को 7400 रुपये; एक वर्ष बाद अप्रेन्टिस को परमानेन्ट करने की बात थी पर अब परमानेन्ट नहीं करते ; फैक्ट्रियों में काफी ज्यादा अप्रेन्टिस रखते हैं; अप्रेनिटस सस्ते मजदूर हैं...... तब एक दम्पत्ति में से पुरूष बोला कि ***लक्ष्मी रिमोट*** फैक्ट्री (बी-201 फेज-2) में 3000 मजदूर , तनखा 7400 रुपये, रोज 12 घण्टे ड्युटी में साढे तीन घण्टे को ओवर टाइम कहते हैं परन्तु भुगतान दुगुनी दर की बजाय सिंगल रेट से करते हैं. ..... मजदूर समाचार लेते हुये ***मंगला होइस्ट्स*** फैक्ट्री (3 सी/2 इकोटेक 2) वरकर ने कहा कि 50-60 मजदूर महीने में 7-8 क्रेन बनाते हैं , तनखा 7400-8500 रुपये...... माँ-बाप ने कभी फैक्ट्री नहीं देखी और हम ने कभी खेत नहीं देखे कहने वाले वरकर की पत्नी बल्ब बनाने की फैक्ट्री में काम करती हैं , तनखा 7400 रुपये....... मजदूर नदी बह रही थी....... ***रादनिक*** एक्सपोर्ट में 600-700 वरकर , तनखा 7400-9000 रुपये...... ***विमल*** और अन्य कपड़ा फैक्ट्रियों के मजदूर. ..... वाशिंग मशीन, जूते, कुर्सी बनाने वाली फैक्ट्रियों के वरकर मिले। ***हारटेक*** और अन्य प्लास्टिक मोल्डिंग फैक्ट्रियों के मजदूर..... ***ओप्पो*** मोबाइल फोन बनाने वाली फैक्ट्री का वरकर भी मजदूर समाचार ले गया। कन्स्ट्रक्शन वरकर। दरी बनाने वाली फैक्ट्री में तनखा 8000 रुपये। ***हिन्दुस्तान टाइम्स*** की प्रिन्टिंग प्रैस वहीं है, हैल्पर की तनखा 8000 रुपये। ***मोसर बेयर*** के वरकर भी मजदूर समाचार ले गये। एक ***खेत मजदूर*** ने बताया कि वह 7000 रुपये तनखा पर धान और कणक के खेतों में काम करता है। वापस दिल्ली आते समय बस में नाइजीरिया से दो नौजवान मिले। एक नोएडा में फार्मेसी की पढाई कर रहा है। और दूसरा पुणे में डॉक्टरी की पढाई कर अब बिना तनखा के इन्टर्नशिप कर रहा है, '' कई बार 36 घण्टे लगातार काम और फिर 12 घण्टे विश्राम के बाद दुबारा काम पर लगो।'' वे अँग्रेजी में सक्षम थे और हिन्दी भी काफी बोल रहे थे।

हरियाणा सरकार ने 1 जुलाई से देय महँगाई भत्ते (डी ए) की घोषणा 7 सितम्बर तक नहीं की थी।

मायापुरी , दिल्ली

मायापुरी इन्डस्ट्रीयल एरिया फेज-1 में ***कैलाश रिबन*** फैक्ट्री (बी-7) के नाइट शिफ्ट से छूटे वरकर बातचीत करने लगे तब दिन की ड्युटी के लिये जाते मजदूर भी रुक गये : दस घण्टे रोज ड्युटी पर फैक्ट्री में 7500 रुपये महीना ; 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में फैक्ट्री से बाहर जीवन के लिये वक्त ही कहाँ है कहते हुये बोले कि फैक्ट्री में वरकर नटखट बच्चों की तरह मैनेजमेन्ट की नाक में दम किये रहते हैं..... तभी ***इण्डोटेक*** फैक्ट्री (बी-61) की महिला मजदूर बोली कि बरसों से काम कर रहों को 8 घण्टे रोज ड्युटी पर महीने के 5700 रुपये ; कम्पनी की तिरुपुर (तमिल नाडु) तथा गुड़गाँव में भी फैक्ट्रियाँ; इधर मैनेजमेन्ट ने बात फैला रखी है कि एक-आध महीने में मायापुरी फैक्ट्री बन्द करेंगे..... चर्चा में दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन : 13584 रुपये , 14958 रुपये , 16468 रुपये की बात पर ***एम के एम टेक*** (बी-94) के मजदूर बोले कि फैक्ट्री में हम 150 हैं और तनखा 5500 रुपये है...... दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन तो ***ऋचा*** (बी-65) वाली फैक्ट्री में भी नहीं दी जाती कहते हुये ऋचा वरकर बोले कि बी-108 स्थित ऋचा कम्पनी की मायापुरी में दूसरी फैक्ट्री 18 अगस्त से बन्द कर दी गई है , 450 मजदूर बाहर। और अब ऋचा कम्पनी की बी-65 वाली फैक्ट्री भी बन्द करने की बातें हो रही हैं..... वहाँ से गुजर रहे ***लूमेक्स*** (बी-85, 86) फैक्ट्री के एक मैनेजर बोले कि बिजली महँगी होने और माल को गुड़गाँव पहुँचाने में अधिक खर्च के कारण कम्पनी ने मायापुरी में फैक्ट्री बन्द कर गुड़गाँव में मारुति सुजुकी परिसर में शिफ्ट कर ली है। मायापुरी में ***स्टैण्डर्ड कास्टिंग*** (बी-89) फैक्ट्री भी बन्द हो गई है।

मायापुरी इन्डस्ट्रीयल एरिया फेज-2 में ***ऐमजॉन*** (ए-56/1), ***ऐमरेक्स*** (ए-15), ***एक्सप्रेस*** (ए-27) आदि कूरियर कम्पनियों के कार्यालयों के इर्द-गिर्द सुबह 10 बजे डिलीवरी वरकरों की चहल-पहल रहती है। यह वरकर बड़ी सँख्या में हैं और इन्हें महीने के 10,500 रुपये। काम के घण्टे निश्चित नहीं , नौकरी निश्चित नहीं। मोटरसाइकिल पर दिन-भर चक्कर लगाते हैं, प्रतिदिन 50-70 पैकेट पहुँचाने में 10-11 घण्टे लग जाते हैं। ऐमजॉन के एक डिलीवरी वरकर ने बताया कि बिना कोई कारण बताये वरकर को बाहर कर देते हैं और फिर उसी वरकर को दोबारा रख लेते हैं। यह सिलसिला सब कूरियर कम्पनियों में चलता है। मजदूर समाचार ले रहे एक डिलीवरी वरकर से गलती से पूछ लिया, '' आप हिन्दी पढ लेते हैं क्या?'' तुरन्त जवाब आया , '' आपको क्या लगता है ? मैं बी ए पास हूँ।''

बीस हजार

कुछ समय से हर महीने मजदूर समाचार की 16 हजार प्रतियाँ छपती हैं। अगस्त अंक की 16 हजार कम पड़ी , दो हजार और छापनी पड़ी। कुछ साथी स्वतन्त्र तौर पर बाँटने के लिये भी 500 ; 200 ; 150; 100; 50 ; 25 प्रतियाँ लेते हैं। कुछ अन्य मित्र भी यह करने लगें तो दिल्ली और इर्द-गिर्द के फैक्ट्री वरकरों में हर महीने मजदूर समाचार की बीस हजार प्रतियाँ सहज ही बँट सकती हैं।

दिल्ली सरकार द्वारा मँहगाई भत्ते की घोषणा के बाद 1 अप्रैल 2017 से निर्धारित न्यूनतम वेतन यह हैं :

अकुशल श्रमिक	13,584 रुपये मासिक
अर्ध-कुशल श्रमिक	14,958 रुपये मासिक
कुशल श्रमिक	16,468 रुपये मासिक
स्टाफ में स्नातक अथवा अधिक	17,916 रुपये मासिक

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए रौनिजा प्रिन्टर्स फरीदाबाद से मुद्रित किया।
RN 42233 पोस्टल रजिस्ट्रेशन L/HR/FBD/73/15-17
सौरभ लेजर टाइपसैटर्स, बी—551 नेहरु ग्राउंड, फरीदाबाद द्वारा टाइपसैट।